मे व्यस्त हैं मिसल ... को ~~पेश~~ हो।
दिनांक 6.3.25

06.03.25 पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता ~~वादी~~ प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। कोई उप. नहीं।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं है।

लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र ~~को~~ लेकर गंभीर नहीं है 'अदम-पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर <u>खारिज</u> किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल-दफ्तर हो व नम्बर से कम हो।

(हस्ताक्षर) 6/03/25
उपखण्ड अधिकारी
बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Veerma Ram
Date: 2025.03.19 10:05:33 IST
Reason: SelfAttested